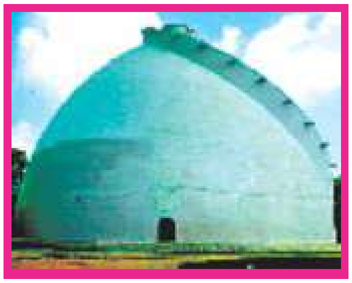

10
मानव पर्यावरण अन्तःक्रियाः अपना प्रदेश बिहार

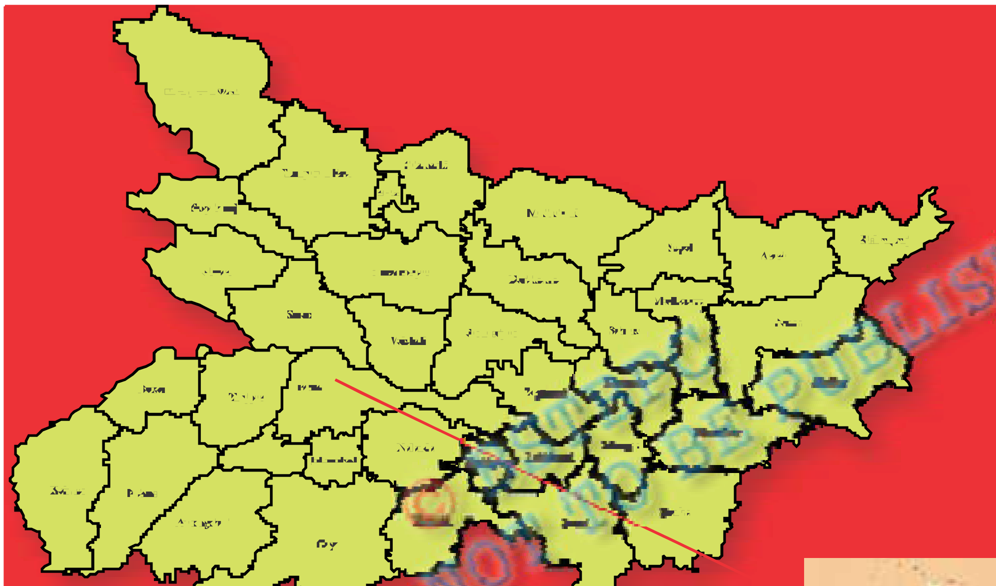

10.1 बिहार

WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

22 मार्च को पटना के गाँधी मैदान में काफी चहल पहल थी। बिहार दिवस के मौके पर राज्य के सभी जिलों से स्कूली छात्र–छात्राएँ इकट्ठा हुए थे। ''बिहार को जानिए'' इसी विषय पर बच्चों के बीच भाषण प्रतियोगिता आयोजित थी। मंच पर सुन्दर सा बैनर टंगा था–

''बिहार राज्य की कहानी
स्कूली बच्चों की जुबानी''

www.sbsol.in

मंच के सामने अनेक कुर्सियाँ कतारबद्ध थीं। जिन पर अनेक गणमान्य व्यक्ति बैठे हुए थे। रंगबिरंगी झंडियाँ आसमान में लहरा रही थीं। तभी उद्घोषक की आवाज गूँजी—बिहार दिवस के मौके पर आप सभी का स्वागत है। आज हम अपने राज्य के स्कूली बच्चों के माध्यम से अपने प्रांत की भौगोलिक, सामाजिक, आर्थिक स्थिति को जानेंगे। हम आशा करते है यहाँ के बच्चे जन—जीवन, खान—पान, रोजी—रोजगार, एवं पर्यावरण से अपने जीवन का सामंजस्य बैठाने के विषय में जानकारी प्रस्तुत करेंगे। हमारे पास ऐसे बच्चों की सूची है। मैं इन बच्चों को बारी—बारी से मंच पर बुलाऊँगा और आग्रह करूँगा कि दिए गये विषय पर ये अपनी बात रखें। इससे पहले कि मैं नाम पुकारूँ आप सभी दर्शक जोरदार तालियों से प्रतिभागियों का

बिहार के पूरब में पश्चिम बंगाल पश्चिम में उत्तर प्रदेश, उत्तर में नेपाल तथा दक्षिण में झारखंड है।

चित्र—10.2 हल चलाता किसान

© BSTBPC
WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

स्वागत कीजिए। उद्घोषक की वाणी ने दर्शकों में उमंग एवं उत्साह भर दिया। जोरदार तालियों से मैदान गूँज उठा। बच्चों ने जोश में किलकारियाँ मारी।

उद्घोषक ने खुशी और उत्साह से आवाज लगाई–मैं सबसे पहले 7वीं कक्षा की छात्रा नीलम कुमारी को मंच पर बुलाता हूँ और चाहूँगा कि वे बिहार की भौगोलिक स्थिति के बारे में संक्षेप में बताएँ–

नीलम ने पूरे आत्मविश्वास से माइक पर कहना शुरू किया–'' बिहार राज्य मध्य गंगा के मैदान में स्थित है जिसके उत्तर में नेपाल हिमालय और दक्षिण में प्रायद्वीपीय पठार हैं। इस प्रदेश के मैदान में गंगा पश्चिम से पूरब की ओर बहती है जिसमें उत्तर से गंडक, बूढ़ी गंडक, कोसी, महानंदा तथा दक्षिण से पुनपुन, सोन, फल्गू आदि नदियाँ आकर मिलती हैं। समुद्रतल से औसत ऊँचाई 100मीटर से कम है। जाड़े के दिनों में अधिकतम तापमान 29° सेल्सियस और न्यूनतम लगभग 8° सेल्सियस होता है। गर्मी में लू चलती है तो तापमान 40° सेल्सियस से ऊपर चला जाता है । यहाँ वर्षा बंगाल की खाड़ी के मॉनसून से होती है। जो लगभग 100 से 150 सेंटीमीटर औसत वार्षिक वर्षा करती है। अप्रैल–मई के महीने में वर्षा की हल्की फुहारें पड़ती हैं जिसके कारण आम के फल तेजी से बढ़ने लगते हैं अतः इसे **मैंगो शावर** भी कहा जाता है। कभी–कभी आंधियाँ चलती हैं जिससे आम के टिकोले पेड़ से गिर जाते हैं इससे आम की फसल प्रभावित होती है। उत्तर में हिमालय की तराइयों से हुई वर्षा का जल कुछ जिलों में बाढ़ ला देता है और इससे जनजीवन काफी प्रभावित होता है। जलवायु की दृष्टि से बिहार उपोष्ण कटिबंधीय प्रदेश में आता है। यहाँ जनसंख्या घनत्व सघन है ''।

श्रोता नीलम की बातें बड़ी ध्यान से सुन रहे थे। सबने जोरदार तालियों से नीलम की बातों का स्वागत किया।

उद्घोषक ने बड़े ही सधे हुए अंदाज में दूसरा नाम पुकारा–मनीष कुमार। चेहरे पर तेज और उत्साह लिये एक लड़का मंच पर चढ़ा उसने श्रोताओं का अभिवादन किया। उद्घोषणा हुई–''अब मनीष बिहार के निवासियों का मुख्य पेशा और उत्पादन के बारे में बताऐंगे।''

पता कीजिए–राज्य की जनसंख्या घनत्व पता कीजिए, अपने जिले की जनसंख्या घनत्व, क्षेत्रफल और आबादी पता कीजिए

BSTBPC
WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

मनीष ने कहना शुरू किया– प्रिय सज्जनों, बिहार प्रदेश की समस्त भूमि का लगभग 75% भाग कृषि योग्य है। यहाँ 12% भाग बंजर भी है। उत्तर की ओर तराई में स्थित एकाध जिलों और दक्षिण पूर्व के एकाध जिलों को छोड़कर अन्य भाग में वनों का अभाव है। कृषि मुख्यतः मॉनसून पर ही आधारित है। यह कृषि प्रधान राज्य है और यहाँ के लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि है। धान यहाँ की प्रमुख फसल है। अन्य फसलों में गेहूँ, मकई, दलहन, तिलहन, गन्ना, जूट, मसाले आदि भी उपजाए जाते हैं।

> बिहार के नक्शे में वन वाले जिलों को चिह्नित कीजिए।

उत्तर बिहार के कुछ जिलों में तम्बाकू, केले, लीची, पान की खेती खूब होती है। आम की पैदावार भी प्रचुर मात्रा में राज्य के सभी क्षेत्रों में होती है। भागलपुर में सिल्क, पूर्णिया में जूट, गया में सूती वस्त्र, एवं पूर्वी चम्पारण में बटन बनाने के कुटीर उद्योग प्रमुखता से हैं। हाँ, मुंगेर में सिगरेट का कारखाना, बरौनी में तेलशोधक कारखाना एवं खाद कारखाना में भी लोग काम करते हैं।

मुजफ्फरपुर एवं मोकामा में रेलवे वैगन प्लांट है तो जमालपुर में रेलवे की कार्यशाला स्थापित है। रेलवे एवं बारूद के कुछ नए कारखानों का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

खनिज सम्पदा के मामले में बिहार एक निर्धन राज्य है, दक्षिण बिहार के कुछ जिलों में ही टीन और अभ्रक की खानें हैं। कैमूर की पहाड़ियों में चूना पत्थर बालू पत्थर और पाइराईट्स भी मिलते हैं। यह कहकर मनीष ने अपनी बात समाप्त की। जोरदार तालियाँ गूँज पड़ीं।

> क्या आप जानते हैं ?–
> 22 मार्च 1912 में बिहार राज्य की स्थापना हुई थी। इसी दिन को बिहार दिवस के रूप में प्रतिवर्ष मनाया जाता है।

इस बार उद्‌घोषक ने आवाज लगाई–अब मो॰ रिजवान आपको बिहार की जीवन शैली के बारे में बताएंगे।

© BSTBPC WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

मोहम्मद रिजवान स्कूली ड्रेस में था। मंच पर आते ही उसने माइक संभाली और कहना शुरू किया–''हमारे प्रांत का मुख्य पेशा कृषि है। हल बैलों की मदद कृषि कार्य में ली जाती है। कुछेक क्षेत्रों में सिंचाई के लिए नहरें, टयूबवेल, रहट उपलब्ध हैं। अब हार्वेस्टर, ट्रैक्टर आदि मशीनों का भी उपयोग खेती में हो रहा है। उपोष्ण जलवायु एवं मैदानी भाग होने के कारण चावल, गेहूँ, दाल, हरी सब्जियाँ, आलू मुख्य भोज्य पदार्थ है। पेयजल का मुख्य स्रोत चापाकल एवं कुएँ है। लोग सामान्यतः धोती कुर्ता, शर्ट–पैंट, गमछा, लुंगी, पायजामा और औरतें साड़ी और सलवार–समीज पहनती हैं। यातायात के लिए पक्की और कच्ची सड़कों के अलावा रेलवे लाइनों का सघन व सुदृढ़ जाल है। राज्य की राजधानी पटना के अतिरिक्त गया जिला भी वायु मार्ग से जुड़ा है। नौवहन की भी अच्छी सुविधा है।

उत्तर बिहार में नावें आज भी यातायात के मुख्य साधन हैं। किसानों की कृषि उपज स्थानीय बाजारों में बिक जाते हैं। गाँवों में कच्चे और पक्के दोनों तरह के मकान मिलते हैं। गाँवों के टोलों में फूस के छप्पर वाली झोपड़ियाँ भी देखने को मिलती हैं। गाय और भैंस दूध का मुख्य स्रोत है। बरसात में झटपट तैयार होने वाला लिट्टी–चोखा गर्मी के दिनों में सत्तू एवं चूड़ा–दही प्रिय भोजन है। लोग सत्तू और लिट्टी–चोखा की बात सुनकर खुसुर–फुसुर करने लगे। शायद सभी के मुँह में पानी आ रहा था।

उद्घोषक ने कहा–बिहार की जीवन शैली खान–पान से आगे कला और संस्कृति तक जाती है। मैं एक छोटी बच्ची सिमरन को बुला रहा हूँ जो अपनी मीठी वाणी में आपको बिहार की प्रमुख विशेषताओं से परिचित कराएगी।

एक छोटी सी बच्ची मंच पर आई। उसकी बोली बहुत ही मीठी व सुरीली थी। उसने प्यार भरे अंदाज में कहना शुरू किया।

''बिहार में मनाया जाने वाला छठ पर्व पूरे प्रदेश में श्रद्धा और उल्लास से मनाया जाता है। यह पर्व यहाँ के लोगों में नई चेतना, स्फूर्ति, उत्साह, सहयोग और स्वच्छता को जन्म देता है। हमारे यहाँ सिक्खों के गुरू गोविन्द सिंह जी का भी जन्म हुआ था। इनका जन्म उत्सव हम प्रति वर्ष उत्साह पूर्वक मानाते हैं। इसके साथ ही हम ईद, बड़ा दिन (क्रिसमस), होली, दिपावली इत्यादि पर्व भी खुशियों के साथ मनाते हैं। बिहार की मधुबनी पेंटिंग अब तो पूरे विश्व में लोगों को पसंद आ रही है। मिथिला से उभरी पेंटिंग की यह कला जिसमें प्राकृतिक

रंगों और प्रतीकों का इस्तेमाल किया जाता है। क्षेत्र विशेष के लोगों को रोजगार भी उपलब्ध करा रहा है। यहाँ के लोग धार्मिक, मिलनसार और धैर्य रखने वाले जुझारू प्रकृति के हैं। लीची की मिठास, लिट्टी की चटक और मधुबनी पेंटिंग का सौन्दर्य लिए यह राज्य विशेषताओं से भरपूर है। बक्सर का चौसा, बेतिया का डंका, दीघा का दूधिया मालदह और भागलपुर का जर्दालु आम का तो कहना ही क्या।

अक्सर बाढ़ और सुखाड़ की विभीषिका झेलने वाले प्रदेश के सभी लोग मेहनत और मेधा के बल पर राज्य को प्रगति के पथ पर ले जा रहे हैं। पर्यावरण की विषम परिस्थितियों ने यहाँ के निवासियों को अधिक जीवट, आशावादी और जीवन्त बनाया है। अभी समय कम है फिर कभी मौका मिलेगा तो बिहार की अन्य विशेषताओं पर और भी चर्चा करूँगी।

सिमरन के इतना कहते ही तालियों की गड़गड़ाहट गूँज उठी। सभी लोग बहुत खुश थे। सब बच्चे सोच रहे थे । अगली बार मैं भी बिहार की विशेषताओं, जीवन शैली पर जरूर चर्चा करूँगा।

अन्त में आयोजन समिति के अध्यक्ष महोदय ने कहा– "आप भी बिहार की जीवन शैली व लोक परम्पराओं के बारे में अधिक से अधिक जानकारी इकट्ठा कीजिए। हम विभिन्न स्तरों पर पुनः ' बिहार गौरव गोष्ठियों' का आयोजन कर अपनी गौरवशाली परम्पराओं से लोगों का परिचय करवाएँगे। मैं आए हुए लोगों को साधुवाद देता हूँ और सभी की समृद्धि की कामना करता हूँ। जय गंगा मैया, जय बिहार, जय भारत।

WEBCOPY, Not TO BE PUBLISHED © BSEBPC

अभ्यास

i. सही विकल्प चुनें –

(1) बिहार के पूरब में है–

(क) पश्चिम बंगाल (ख) उत्तरप्रदेश

(ग) सोन नदी (घ) छत्तीसगढ

(2) मधुबनी पेंटिंग जुड़ी है–

(क) मगध क्षेत्र में (ख) अंग क्षेत्र में

(ग) भोजपुरी क्षेत्र में (घ) मिथिला क्षेत्र में

(3) जमालपुर में अवस्थित है–

(क) सिगरेट कारखाना
(ख) जूट कारखाना
(ग) बारूद कारखाना
(घ) रेलवे कार्यशाला

ii. सही मिलान करें–

(क) चूना पत्थर	(क) भागलपुर
(ख) रेलवे वैगन प्लांट	(ख) बरौनी
(ग) जर्दालु	(ग) कैमुर
(घ) तेलशोधक कारखाना	(घ) मोकामा

© BSTBPC WEBCOPY; NOT TO BE PUBLISHED

iii. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. बिहार की भौगोलिक दशाओं की जानकारी दीजिए।
2. बिहार में लोगों का मुख्य पेशा क्या है?
3. बिहार को किन प्राकृतिक आपदाओं का सामना करना पड़ता है ? इसका जन–जीवन पर कैसा प्रभाव पड़ता है ?
4. बिहार की सांस्कृतिक विशेषताऐं लिखिए।
5. बिहार की मुख्य फसलें क्या–क्या हैं ?
6. बिहार किन–किन खाद्य पदार्थों के लिए प्रसिद्ध है ?
7. मिथिला पेंटिग की मुख्य विशेषताएँ क्या हैं ?
8. **मैंगो शावर** से आपके घर–मोहल्ले में क्या परिवर्तन दिखता है बताइए ?

iv. क्रियाकलाप–

1. नीचे ग्यारह किस्म के आमों के नाम दिए गए हैं उन्हें ढूँढ़े:–

म	ल	चौ	सा	ट	प	न	ज	गु
द	का	प	या	बी	मि	ह	द	ला
इं	न	इ	म	री	द	ठु	क	ब
क	म्ब	शु	कु	ल	क	श	आ	ख
ब	ज	ह	मा	मि	ठु	री	ह	स
री	जू	र्दा	इ	ख	तो	ता	पु	री
बी	हु	मा	लु	श	क	ल	न	र्दा

2. बिहार के मानचित्र में नदियों को दर्शाइए।

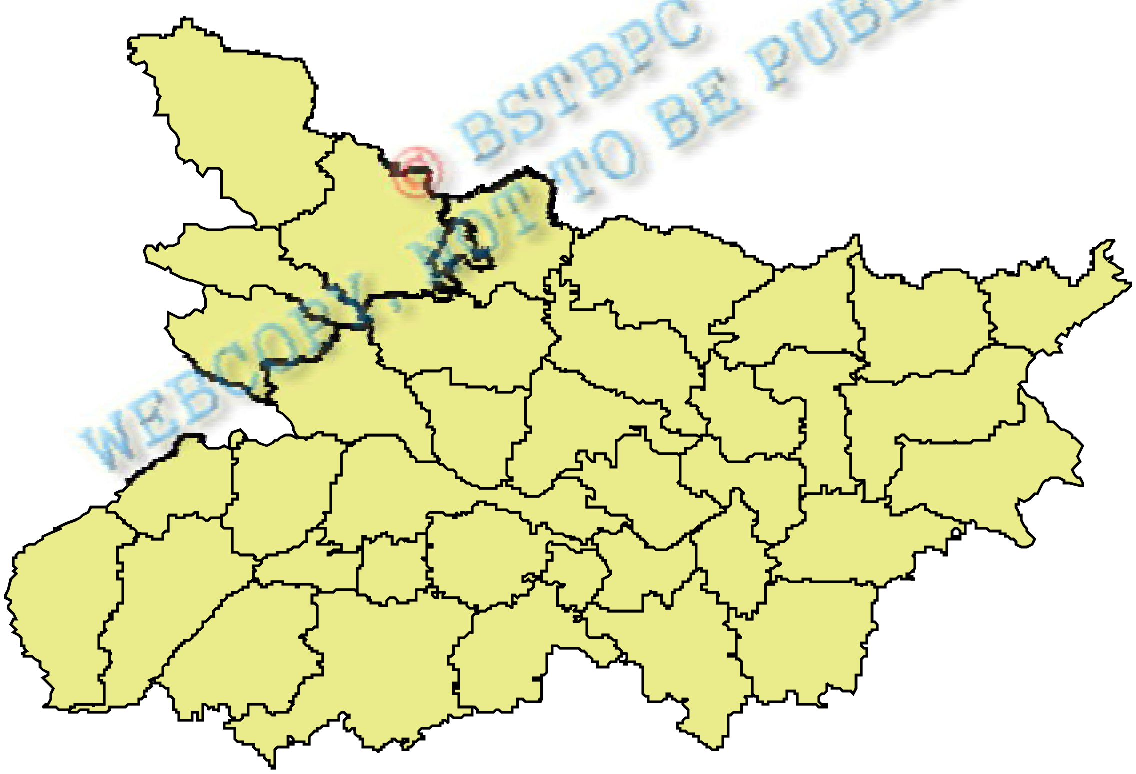

WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED © BSTBPC

♦♦♦